

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

पाठ्यक्रम
एम.ए. शिक्षा

MASTER OF ARTS (M.A.) EDUCATION



शिक्षा विभाग

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर
कोनी-बिरकोना मार्ग, बिलासपुर (छ.ग.) 495009

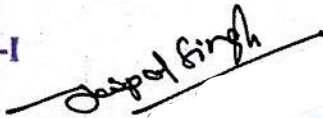
दूरभाष क्रमांक : (07752) 210312 फॅक्स : (07752) 213073

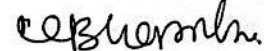
www.pssou.ac.in Email - registrar@pssou.ac.in

Page 1 of 11


Dr. Anita Singh

Incharge NAAC Criteria-I
PSSOU, CG Bilaspur





Dr. Anita Singh
Incharge NAAC Criteria-I
PSSOU, CG Bilaspur

M.A. Education

DURATION of COURSE : 2 YEAR

ELIGIBILITY : GRADUATION

Course Structure:

YEAR	COMPULSORY / OPTIONAL	COURSE CODE	SUBJECT TITLE	PAPER	CREDIT
PREVIOUS YEAR	COMPULSORY PAPERS	MAED 01	Philosophical and Sociological Bases of Education	First	8
		MAED 02	Psychological Bases of Education	Second	8
		MAED 03	Research Methods in Education	Third	8
		MAED 04	Educational Technology	Fourth	8
TOTAL					32
FINAL YEAR	COMPULSORY PAPERS	MAED 05	Educational Management	First	8
		MAED 06	Guidance and Counselling	Second	8
		MAED 07	Curriculum Development	Third	8
		MAED 08	Teacher Education	Fourth	8
	OPTIONAL PAPERS	MAED 09	Women Education	Fifth	8
		MAED 10	Dissertation		
TOTAL					40

Bsl

Sh

Sawer

शैक्षिक प्रबन्धन प्रथम प्रश्न-पत्र

खण्ड अ

शैक्षिक प्रबन्धन : अवधारणा, परिभाषा एवं सिद्धांत, शैक्षिक प्रबंधन के सिद्धान्त, शैक्षिक प्रबन्धन के उपागम, उद्देश्यों द्वारा शैक्षिक प्रबन्धन (उद्घाप्र), शिक्षा में सम्पूर्ण गुणात्मक प्रबन्ध

खण्ड ब

शैक्षिक योजना, संगठनात्मक पर्यावरण, शैक्षिक प्रबन्धन में नेतृत्व शैलियाँ, शैक्षिक पर्यवेक्षण, शैक्षिक प्रबन्धन में निर्णयन

खण्ड स

शैक्षिक प्रबन्ध में समन्वय, शैक्षिक प्रबन्धन में दबाव एवं नियंत्रण, स्कोट, शैक्षिक प्रबन्धन में सम्प्रेषण, समय प्रबन्धन

खण्ड द

परिवर्तन प्रबन्धन और नवाचार, शैक्षिक प्रबन्धन के संवैधानिक प्रावधान, विद्यालय प्रबन्ध, शिक्षा में वित्तीय प्रबन्धन, भारत में शैक्षिक प्रबन्धन की प्रणाली एवं संरचना, शैक्षिक निरीक्षण एवं मोनिटरिंग

4

Dr. Anita Singh
In-charge NAAC Criteria-I
SSOU, CG Bilaspur

Anita Singh

Dr. Anita Singh

निर्देशन एवं परामर्श द्वितीय प्रश्न-पत्र

खण्ड अ

निर्देशन एवं परामर्श – अर्थ, प्रकृति और क्षेत्र, निर्देशन की आवश्यकता और महत्ता, निर्देशन एवं परामर्श के लक्ष्य तथा सिद्धान्त, निर्देशन के प्रकार – व्यक्तिगत और शैक्षिक

खण्ड ब

व्यावसायिक निर्देशन, परामर्श का अर्थ प्रकृति एवं उपागम, निर्देशन एवं परामर्श की संगठनात्मक योजना, परामर्श सेवाएँ

खण्ड स

निर्देशन एवं परामर्श सेवाओं के विभिन्न कार्यक्रम, निर्देशन एवं परामर्श में विभिन्न संवाएँ, निर्देशन एवं परामर्श में मूल्यांकन, पाठ्यचर्या मूल्यांकन के प्रतिमान पाठ्यचर्या विकास के मुद्दे एवं प्रवृत्तियाँ एवं भारत में पाठ्यचर्या अनुसंधान, (I) विभिन्न परीक्षण बुद्धि परीक्षण, (II) अभियोग्यता परीक्षण, (III) सृजनात्मकता, (IV) रुचि परीक्षण, (V) व्यक्तित्व परीक्षण

खण्ड द

परीक्षणों का प्रशासन, फलांकन तथा व्याख्या परीक्षणों की उपलब्धियाँ तथा इसका संप्रेक्षण, निर्देशन एवं परामर्श में नवीन प्रवृत्ति, निर्देशन एवं परामर्शदाता तथा दूरस्थ शिक्षा, निर्देशन एवं परामर्श पर विशलेषणात्मक रिपोर्ट

पाठ्यक्रम विकास तृतीय प्रश्न-पत्र

खण्ड अ

पाठ्यक्रम की अवधारणा, लक्ष्य एवं उद्देश्य और व्यक्ति से इसका संबंध, पाठ्यक्रम विकास – प्रक्रिया एवं सिद्धान्त, पाठ्यक्रम विकास का इतिहास

खण्ड ब

पाठ्यक्रम के निर्धारक आधार, पाठ्यक्रम में विचारणीय दार्शनिक विचार : दर्शन एक पाठ्यक्रम बल के रूप में, प्रगतिवादी, पुनर्निर्माणवादी, आधारभूतवाद एवं प्रगतिवाद के अनुसार पाठ्यक्रम मूल्यों एवं पाठ्यक्रम के बीच सम्बन्ध, पाठ्यक्रम के मनोवैज्ञानिक आधार: मनोविज्ञान एक पाठ्यक्रम बल के रूप में, साहचर्यवाद एवं क्षेत्र सिद्धान्त के सन्दर्भ में अधिगम के अधिनियमों की उपयोगिता

खण्ड स

पाठ्यक्रम में विचारणीय सामाजिक आधार : पाठ्यक्रम के माध्यम से संस्कृति: भारत में सामाजिक परिवर्तन (विशेष रूप से विज्ञान एवं तकनीकी के सन्दर्भ में) एवं इसकी पाठ्यक्रम में निहितार्थ, पाठ्यक्रम आकल्पन एवं संगठन : आकल्पन के अवयव एवं स्रोत, पाठ्यक्रम निर्माण के सिद्धान्त, पाठ्यक्रम के कार्यन्वयन में पाठ्यचर्या संगठन की विधियाँ, पाठ्यक्रम अभिकल्प : प्रकार एवं वर्गीकरण

खण्ड द

पाठ्यक्रम निर्माण : विभिन्न मॉडल एवं पाठ्यक्रम निर्माण के सिद्धान्त, पाठ्यक्रम मूल्यांकन की अवधारणा, आवश्यकता एवं महत्व, पाठ्यक्रम मूल्यांकन के प्रतिमान पाठ्यक्रम विकास के मुद्दे एवं प्रवृत्तियाँ एवं भारत में पाठ्यक्रम अनुसंधान, विभिन्न शिक्षा आयोग के अनुसार पाठ्यक्रम विकास के सम्बन्ध में सिफारिशें / सुझाव

महिला शिक्षा चतुर्थ प्रश्न-पत्र

खण्ड अ

महिला शिक्षा- ऐतिहासिक अवलोकन, महिला शिक्षा – वर्तमान स्थिति, बालिका शिक्षा, राजस्थान में महिला शिक्षा, प्राथमिक शिक्षा

खण्ड ब

माध्यमिक एवं उच्च शिक्षा, विज्ञान, तकनीकी एवं महिलाएँ, साहित्य, कला एवं मीडिया क्षेत्र में महिलाएँ, शैक्षिक विकास नीतियाँ एवं कार्यक्रम, पंचवर्षीय योजनाएं एवं महिला शिक्षा

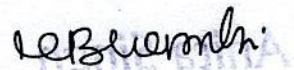
खण्ड स

स्वयं सेवी संस्थाएं और महिला शिक्षा, महिला सशक्तिकरण और शिक्षा, रोजगारोन्मुखी शिक्षा, विभिन्न व्यवसायिक क्षेत्रों में महिलाएँ, कार्यस्थल में महिलायें

खण्ड द

अनौपचारिक शिक्षा और महिलाएँ, लैंगिक परिप्रेक्ष्य : सैद्धान्तिक आधार, लिंग संवेदी अध्यापन – अधिगम प्रक्रिया, पाठ्यचर्या निमाण : लैंगिक परिप्रेक्ष्य, लिंग संवेदी शिक्षक प्रशिक्षण


Dr. Anita Singh
Incharge NAAC Criteria-I
PSSOU, CG Bilaspur



Incharge NAAC Criteria-I
PSSOU, CG Bilaspur

अध्यापक शिक्षा पंचम प्रश्न-पत्र

खण्ड अ

शिक्षक शिक्षा का अर्थ, प्रकृति एवं संकल्पना, अधिगमकर्ताओं की आवश्यकताएँ, शैक्षिक प्रणाली अध्यापक शिक्षा, ब्रिटिशकाल एवं स्वातंत्रोत्तर भारत काल में शिक्षक – शिक्षा का विकास, शिक्षक शिक्षा के उद्देश्य एवं राष्ट्रीय नीतियाँ, शिक्षक शिक्षा की संरचना – स्तर एवं प्रकार

खण्ड ब

अध्यापक प्रशिक्षण की कुछ प्रमुख विशेषतायें – सार्थकता, लचीलापन, एकीकरण और अंतर्विषयता, प्राथमिक एवं माध्यमिक स्तर के लिए अध्यापक शिक्षा के पाठ्यक्रम की प्रकृति व संकल्पना, राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् की पाठ्यचर्या की संरचना, शिक्षक शिक्षा के राष्ट्रीय एवं अन्तरराष्ट्रीय स्तर के अभिकरण, शिक्षक शिक्षा के राज्य स्तरीय अभिकरण

खण्ड स

व्यावसायिक संगठन तथा उनके उद्देश्य, शिक्षक प्रशिक्षक की व्यावसायिक सामाजिक एवं आर्थिक प्रतिष्ठा, शिक्षक और शिक्षक प्रशिक्षकों की अनवरन् शिक्षा : संकल्पना, पद्धति, महत्व, तकनीकियाँ एवं मूल्यांकन, शिक्षक शिक्षा के मापदण्ड, प्रवेश नीतियाँ व चयन प्रक्रिया, शिक्षक प्रशिक्षकों का व्यावसायिक विकास : सेवा पूर्व तथा सेवाकालीन कार्यक्रम

खण्ड द

शिक्षक प्रशिक्षक संस्थाओं में प्रशासनिक मुद्दे, शिक्षक शिक्षा : प्राथमिक एवं माध्यमिक स्तर पर नियोजन, वित्तीय प्रबन्धन तथा नियंत्रण, केन्द्र सरकार, राज्य सरकार तथा स्वैच्छिक संगठनों की शिक्षा नियोजन (परियोजना) एवं वित्तीय प्रबन्धन व्यवस्था में भूमिका, शिक्षक शिक्षा में शोध की प्रकृति, प्रासंगिकता, क्षेत्र, समस्याएं प्रवृत्तियाँ, उच्च माध्यमिक तथा माध्यमिक स्तर की शिक्षक शिक्षा में नवाचारिक अभ्यास एवं विदेशों में नवाचार